भारत सरकार

वित्त मंत्रालय

आर्थिक कार्य विभाग

लोक सभा

तारांकित प्रश्न सं. 4

(जिसका उत्तर सोमवार, 20 जुलाई, 2026/29 आषाढ़, 1948 (शक) को दिया जाना है)

प्रभावी पूंजीगत परिव्यय और पूंजीगत व्यय

***4. श्री राहुल सिंह लोधीः**

श्री रवीन्द्र शुक्ला उर्फ रवि किशनः

क्या **वित्त मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) वर्ष 2004-14 और 2014-26 की अवधि के दौरान पूंजीगत व्यय के लिए कितना आवंटन किया गया;

(ख) वर्ष 2004-14 और 2014-26 के वित्तीय वर्षों/की अवधि के दौरान पूंजीगत आस्तियों के सृजन के लिए दिए गए सहायता अनुदान सहित प्रभावी पूंजीगत व्यय का ब्यौरा क्या है;

(ग) इस अवधि के दौरान सकल घरेलू उत्पाद के प्रतिशत के रूप में पूंजीगत व्यय की प्रवृत्ति क्या रही और अवसंरचना के विकास पर इसका क्या प्रभाव पड़ा है; और

(घ) सरकार द्वारा आगामी वर्षों में प्रभावी पूंजीगत परिव्यय में और तेजी लाने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं?

उत्तर

वित्त मंत्री

(श्रीमती निर्मला सीतारामन)

(क) से (घ) विवरण सदन के पटल पर रखा गया है।

*****

स्थिति संख्या 4

प्रभावी पूंजीगत परिव्यय और पूंजीगत व्यय से संबंधित श्री राहुल सिंह लोधी और श्री रवीन्द्र शुक्ला उर्फ रवि किशन द्वारा 20 जुलाई, 2026 को पूछे जाने वाले लोकसभा तारांकित प्रश्न संख्या 4 के उत्तर में संदर्भित विवरण

(क) वर्ष 2004-14 और 2014-26 की अवधि के दौरान केन्द्र सरकार का पूंजीगत व्यय नीचे तालिका में दिया गया है:

अवधि	पूंजीगत व्यय
2004-14	₹12.39 लाख करोड़
2014-26	₹64.70 लाख करोड़

वित्त वर्ष 2025-26 के आंकड़े अनंतिम हैं।

(ख) प्रभावी पूंजीगत व्यय आस्ति सृजन के लिए केंद्र सरकार के व्यय को संदर्भित करता है और इसमें समग्र शिक्षा के तहत स्कूल भवन, पीएम आवास योजना के तहत घर आदि जैसी आस्तियों के सृजन के लिए राज्य सरकारों को प्रदान की जाने वाली सहायता अनुदान शामिल है। वित्तीय वर्ष 2010-11 से शुरू होने वाले खातों में पूंजीगत आस्तियों के सृजन के लिए अनुदानों को अलग से दर्शाया जा रहा है। इसलिए, वित्त वर्ष 2004-05 से 2009-10 के लिए नीचे दिए गए प्रभावी पूंजीगत व्यय के आंकड़ों को पूंजीगत व्यय के बराबर माना जाता है। प्रभावी पूंजीगत व्यय का अवधि-वार विवरण नीचे तालिका में दिया गया है;

(₹ लाख करोड़ में)

अवधि (1)	प्रभावी पूंजीगत व्यय (2) = (3)+(4)	पूंजीगत आस्तियों के सृजन के लिए सहायता अनुदान (3)	पूंजीगत व्यय (4)
2004-14	17.04	4.65	12.39
2014-26	90.87	26.17	64.70

(ग) इस अवधि अर्थात् वित्तीय वर्ष 2014-26 के दौरान सकल घरेलू उत्पाद के प्रतिशत के रूप में पूंजीगत व्यय के रुझान नीचे तालिका में दिए गए है। सकल घरेलू उत्पाद के प्रतिशत के रूप में पूंजीगत व्यय में वृद्धि से सड़क, रेलवे, शहरी अवसंरचना, ऊर्जा और डिजिटल कनेक्टिविटी सहित अवसंरचना के विकास में वृद्धि हुई है। बढ़े हुए पूंजीगत व्यय से लॉजिस्टिक्स दक्षता में सुधार हुआ है, रोजगार सृजित हुए हैं और निजी निवेश में बढ़ोतरी हुई है।

वित्त वर्ष	पूंजीगत व्यय/जीडीपी
2014-15	1.6%
2015-16	1.8%
2016-17	1.8%
2017-18	1.5%
2018-19	1.6%
2019-20	1.7%
2020-21	2.1%
2021-22	2.5%
2022-23	2.7%
2023-24	3.2%
2024-25	3.2%
2025-26 (अंनतिम)	3.1%

नोट: 2025-26 के लिए सकल घरेलू उत्पाद आधार वर्ष, 2022-23 के साथ नई श्रृंखला के अनुसार है

(घ) सरकार अवसंरचना के लिए बजटीय आवंटन के माध्यम से प्रभावी पूंजीगत व्यय को प्राथमिकता देना जारी रखे हुए है और पूंजी निवेश के लिए विशेष सहायता योजना (एसएएससीआई) के माध्यम से राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों की सहायता करती है, जिसमें पूंजीगत व्यय को प्रोत्साहित करने के लिए पहाड़ों के गौरव घटक के माध्यम से पूर्वोत्तर और पहाड़ी राज्यों की सहायता करना शामिल है। आगामी वर्षों में प्रभावी पूंजीगत परिव्यय में तेजी लाने के लिए सरकार के कदमों में पीएम गतिशक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान, राष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स नीति और पीएम गतिशक्ति सार्वजनिक प्लेटफॉर्म जैसी पहलों पर ध्यान केंद्रित करना शामिल है। इनसे एकीकृत योजना, अंतर-एजेंसी समन्वय और प्रौद्योगिकी-सक्षम परियोजना कार्यान्वयन को मजबूत किया गया है, जिससे अवसंरचना के विकास की दक्षता और गुणवत्ता में वृद्धि हुई है।

*****